भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- **1**1**13**

### दिनांक 23 मार्च, 2012 के लिए प्रश्न

विषय : दुग्‍ध उत्‍पादन में असंगठित क्षेत्र

1113 : श्री हुसैन दलवई:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या यह सच है कि देश में लगभग 80 प्रतिशत दुग्‍ध उत्‍पादन अभी भी असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो असंगठित क्षेत्र द्वारा उत्‍पादित और आपूर्ति किए जा रहे दूध की गुणवत्‍ता किस प्रकार सुनिश्चित की जाती है; और

(ग) असंगठित क्षेत्र के दुग्‍ध उत्‍पादकों को सहकारी और संगठित क्षेत्र में लाने हेतु क्‍या कदम उठाए गए है?

**उत्तर**

# **कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री**

(डा0 चरण दास महंत)

**(क)** राष्‍ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा तैयार किए गए राष्‍ट्रीय डेयरी योजना के परियोजना क्रियान्‍वयन योजना के अनुसार, बेचे गए दूध के लगभग 30 प्रतिशत दूध को संगठित क्षेत्र द्वारा और शेष 70 प्रतिशत दूध को असंगठित क्षेत्र द्वारा हैंडल किया जाता है।

**(ख)** खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006, नियम और विनियम 2011 का क्रियान्‍वयन राज्‍यों में संबंधित खाद्य सुरक्षा आयुक्‍तों द्वारा किया जा रहा है। खाद्य व्‍यापार आपरेटरों द्वारा उत्‍पादित और आपूर्तित दूध की गुणवत्ता खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्‍पाद और खाद्य एडिटिब्‍स) विनियमन, 2011 में निर्धारित नमूनों के अनुसार शासित होती है।

**(ग)** यह विभाग राज्‍य दुग्‍ध परिसंघों/जिला दुग्‍ध संघों के माध्‍यम से केन्‍द्रीय प्रायोजित योजना अर्थात् सघन डेयरी विकास कार्यक्रम क्रियान्वित कर रहा है जिसके अंतर्गत 29,373 ग्राम स्‍तरीय डेयरी सहकारी समितियां गठित की गई है जिसमें 31.12.2011 तक संगठित क्षेत्र के अंतर्गत 19.41 लाख दुग्‍ध उत्‍पादकों को कवर किया गया है।इसके अतिरिक्‍त, एक नई केन्‍द्रीय क्षेत्र योजना अर्थात् “ राष्‍ट्रीय डेयरी योजना चरण-1” को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है जिसमें वर्तमान डेयरी सहकारिताओं द्वारा 23,800 अतिरिक्‍त गांवों को शामिल करने तथा उन क्षेत्रों में उत्‍पादक कंपनियों को संवर्धित करने की व्‍यवस्‍था की गई है जिनमें सहकारिताएं मौजूद नहीं है अथवा जहां कम कवरेज और खरीद है। आशा है कि इस पहल से 12 लाख दुग्‍ध उत्‍पादक अपना दूध संगठित क्षेत्र को देगें।

........